



डीआरडीओ समाचार

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

www.drdo.gov.in

“बलस्य मूलं विज्ञानम्”

वैशाख - ज्येष्ठ 1940, मई 2021 खण्ड 33 अंक 05

डी आर डी ओ ने रक्त में परिधीय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) के स्तर के आधार पर पूरक ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली विकसित की



इस अंक में

मई, 2021
खंड-33, अंक 05
आई एस एन : 0971-4391

मुख्य लेख04

डी आर डी ओ ने रक्त में पस्थिय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) के स्तर के आधार पर पूरक ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली विकसित की



नवोन्मेष05

नौसेना के पोतों को शत्रु के मिसाइल हमले से बचाने के लिए 'उन्नत चाफ प्रौद्योगिकी' (एडवांस्ड चाफ टेक्नोलॉजी) कम वजन की बुलेटप्रूफ जैकेट



घटनाक्रम

06



एचआरडी क्रियाकलाप
अवसंरचना विकास
दौरा कार्यक्रम

22
28
29

प्रकाशन का 33वां वर्ष

मुख्य संपादक : डॉ. अलका सूरी
प्रबंध संपादक : सुमति शर्मा
संपादक : अजय कुमार
संपादकीय सहायक : राकेश कुमार
संपादकीय सहायता : शालिनी छाबड़ा, राम कुमार ठाकुर

वेबसाइट :
<https://www.drdo.gov.in/drdo/pub/newsletter/>
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :
director@desidoc.drdo.in
दूरभाष : 011-23902403, 23902482
फैक्स : 011-23819151

हमारे संवाददाता

अहमदनगर : कर्नल अतुल आप्ते, श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई); **अंबरनाथ** : डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल); **चांदीपुर** : श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर); **बेंगलूरु** : श्री सुबुकुट्टी एस, वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई); श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स); श्रीमती फहीमा एजीजे, कृत्रिम आसूचना एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर); सुश्री तृप्ति रानी बोस, सैन्य उडनयोग्यता एवं प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक); श्रीमती जोसेफिन निर्मला एम, रक्षा उड्डयानिकी अनुसंधान प्रतिष्ठान (डेयर); श्रीमती अनुया वेंकटेश, रक्षा जैव-अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल); श्री वेंकटेश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक एवं रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई); डॉ. विशाल केसरी, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी); **चंडीगढ़** : श्री एच एस गोसाईं, हिम तथा अवधाव अध्ययन प्रतिष्ठान (सासे); डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), **चेन्नई**: श्रीमती एस जयसुधा, संग्राम वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (सीवीआरडीई); **देहरादून**: श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील); श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई); **दिल्ली**: श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेप्टेम); डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास); डॉ. निधि महेश्वरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर); श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास); श्री अनुराग पाठक, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा); डॉ. इंदु गुप्ता, लेजर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (लेसटेक); सुश्री नूपुर श्रोत्रिय, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी); डॉ. रूपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल); **ग्वालियर** : श्री आर के श्रीवास्तव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई); **हल्दवानी**: डॉ. अतुल ग्रावर, रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर); **हैदराबाद**: श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल); श्री प्रमोद के झा, उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएसएस); डॉ. जे के राय, उन्नत अंकीय अनुसंधान एवं विश्लेषण समूह (अनुराग); सुश्री विदिशा लहिरी, उच्च ऊर्जा प्रणाली एवं विज्ञान केंद्र (सीएचईएसएस); श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल); डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल); डॉ. के नागेश्वर राव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल); श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई); **जगदलपुर**: डॉ. गौशोर अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एसएफसी); **जोधपुर**: श्री शोरींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल); **कानपुर**: श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई); **कोच्चि** : श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिकी एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल); **लेह**: डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार); **मसूरी** : डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम); **मैसूर**: डॉ. एम पाल्मुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल); **पुणे**: डॉ. (श्रीमती) जे ए कानितकर, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई); डॉ. विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईए टी); श्री ए एम देवाले, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल); श्री एस एस अरोल, अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (इंजीनियर्स) (आरएंडडीई) (इंजी.); **तेजपुर**: डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)।

मुख्य लेख

डी आर डी ओ ने रक्त में परिधीय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) के स्तर के आधार पर पूरक ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली विकसित की

डी आर डी ओ ने अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए रक्त में परिधीय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) के स्तर के आधार पर पूरक ऑक्सीजन की आपूर्ति करने के लिए एक स्वचालित पूरक ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली विकसित की है। यह स्वचालित प्रणाली ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19) के रोगियों के लिए भी मददगार साबित हो सकती है। डी आर डी ओ की बंगलुरु स्थित रक्षा जैव-अभियांत्रिकी तथा विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) द्वारा विकसित की गई यह प्रणाली कोरोना रोगियों के रक्त में परिधीय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) के स्तर के आधार पर उन्हें पूरक ऑक्सीजन की आपूर्ति करती है और इस प्रकार व्यक्ति को हाइपॉक्सिया की स्थिति में जाने से रोका जा सकता है जो अधिकतर मामलों में घातक होती है।

हाइपॉक्सिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में ऊतकों तक पहुंच रही ऑक्सीजन की मात्रा शरीर की ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त होती है। वायरस संक्रमण के कारण कोविड-19 के रोगियों में हाइपॉक्सिया की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जो इस वैश्विक महामारी के कारण लोगों के जीवन हेतु गंभीर संकट की स्थिति उत्पन्न होने का एक बड़ा कारण है।

इस प्रणाली के इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर को कम वायुमंडलीय दबाव,

कम तापमान और आर्द्रता वाले उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में कार्य करने को ध्यान में रखते हुए अभिकल्पित किया गया है। इस प्रणाली के सॉफ्टवेयर की गहन सुरक्षा जांच की गई है ताकि फील्ड दशाओं में प्रणाली की कार्यात्मक विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। इस प्रणाली में रोगी की कलाई पर बंधा पल्स आक्सीमीटर एक वायरलेस इंटरफेस के माध्यम से उसके रक्त में परिधीय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) स्तर पर निगरानी रखता है और ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे हाइपॉक्सिया के रोगी के शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति को एक उचित स्तर पर बनाए रखने के लिए एक समानुपातिक सॉलेनॉइड वाल्व को नियंत्रित करता है। ऑक्सीजन की आपूर्ति कम वजन के पोर्टेबल सिलिंडर से नेजल नेयर्स के माध्यम से की जाती है। यह प्रणाली विभिन्न साइजों में उपलब्ध कराई गई है। इनमें एक लीटर और एक किग्रा वजन के 150 लीटर ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाले साइज से लेकर 10 लीटर और 10 किग्रा वजन के 1,500 लीटर ऑक्सीजन आपूर्ति करने वाला साइज शामिल है। 1,500 लीटर ऑक्सीजन आपूर्ति साइज वाला सिस्टम दो लीटर प्रति मिनट के लगातार फ्लो के साथ 750 मिनट तक चल सकता है।

चूंकि यह प्रणाली फील्ड दशाओं में परिचालन के लिए स्वदेश में विकसित की गई प्रणाली है, अतः यह मजबूत होने के साथ-साथ सस्ती भी है। इस प्रणाली के उत्पादन के लिए इससे संबंधित



प्रौद्योगिकी उद्योगों को अंतरित कर दी गई है जहां इस प्रणाली का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा रहा है।

इस प्रणाली को घर में पृथक वास कर रहे कोविड-19 के हल्के लक्षण वाले रोगियों में ऑक्सीजन की कमी का उपचार करने के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। ऐसे रोगियों को ऑक्सीजन की कमी का उपचार करने के लिए प्रवाह दर 2/5/7/10 लीटर प्रति मिनट



(lpm) पर नियंत्रित करके ऑक्सीजन की आपूर्ति की जाती है। इस प्रणाली को प्रयोग में लाए जाने का काफी अधिक लाभ है क्योंकि इस प्रणाली में लगा ऑक्सीमीटर रोगी के शरीर में परिधीय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) का स्तर कम होने पर चेतावनी जारी करता रहता है। इस प्रणाली द्वारा रोगी के शरीर में परिधीय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) के स्तर में कमी या वृद्धि की स्थिति में रोगी के शरीर में ऑक्सीजन की प्रवाह दर को स्वचालित रूप में बढ़ाया/घटाया जा सकता है जिसे 2/5/7/10 लीटर प्रति मिनट (lpm) प्रवाह दर पर स्वतः समंजित किया जा सकता है। प्रणाली में ऑक्सीजन प्रवाह की दर के उपयुक्त स्तर पर होने के

कारण यह प्रणाली ऑक्सीजन संसाधन को संरक्षण प्रदान करने और ऑक्सीजन प्रबंधन में भी सहायक प्रणाली है और इस कारण इस प्रणाली की सहायता से रोगी के शरीर में पर्याप्त समय तक ऑक्सीजन का प्रवाह बना रहता है। इस प्रणाली को प्रयोग में लाया जाना काफी आसान है जिसके कारण इस प्रणाली को प्रयोग में लाए जाने से डॉक्टरों और अर्धचिकित्सा कर्मियों को रोगी के शरीर में परिधीय ऑक्सीजन की संतृप्ति (SPO₂) के स्तर की जांच बार-बार करने की आवश्यकता नहीं पड़ती और इस प्रकार उनके कार्यभार में कमी आती है और साथ ही रोगी पर ध्यान रखने की आवश्यकता भी कम होती है। इस प्रणाली में लगाए गए एक अंशांकित

प्रवाह नियंत्रण वॉल्व के माध्यम से ऑक्सीजन को कम स्तर पर स्वचालित रूप में अंशांकित परिवर्ती एवं नियंत्रित दर पर प्रवाह किए जाने (प्रयोक्ता द्वारा पहले से सेट किए गए, <90%, <80% दर पर) से चिकित्सीय उपयोग हेतु प्रयोग में लाए जाने वाले मेडिकल ऑक्सीजन की बचत भी की जा सकेगी (1-10 लीटर प्रति मिनट (lpm) ±0.5 lpm)। मध्यम लक्षणों वाले कोविड-19 रोगी को लंबे समय तक 150 बार के दबाव पर 10 लीटर और 10 किग्रा वजन के 1,500 लीटर ऑक्सीजन आपूर्ति करने वाले साइज से ऑक्सीजन आपूर्ति की आवश्यकता होती है और यह साइज 750 मिनट तक चल सकता है।

नवोन्मेष

नौसेना के पोतों को शत्रु के मिसाइल हमले से बचाने के लिए 'उन्नत चाफ प्रौद्योगिकी' (एडवांस्ड चाफ टेक्नोलॉजी) विकसित की गई

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ) ने नौसेना के पोतों को दुश्मन की मिसाइलों के निशाने से बचाने के लिए एक 'उन्नत चाफ प्रौद्योगिकी' (एडवांस्ड चाफ टेक्नोलॉजी) विकसित की है। डी आर डी ओ की अधीनवर्ती प्रयोगशाला रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (डी एल जे) ने भारतीय नौसेना की गुणात्मक अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इस महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के तीन स्वदेशी संस्करणों को विकसित किया है। इनमें कम दूरी की मारक क्षमता के चाफ रॉकेट (एस आर सी आर), मध्यम दूरी की मारक क्षमता के चाफ रॉकेट (एम आर सी आर) और लंबी दूरी की मारक क्षमता के चाफ रॉकेट (एल आर सी आर) शामिल हैं। स्वदेश में 'उन्नत चाफ

प्रौद्योगिकी' (एडवांस्ड चाफ टेक्नोलॉजी) को सफलतापूर्वक विकसित किया जाना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय नौसेना द्वारा अरब सागर में अपने युद्ध पोतों पर इन तीनों संस्करणों का परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इन परीक्षणों में चाफ रॉकेट के सभी तीनों संस्करणों का प्रदर्शन संतोषजनक पाया गया।

विश्व भर में युद्ध पोतों की सुरक्षा के लिए प्रयोग में लाई जा रही चाफ प्रौद्योगिकी एक इलेक्ट्रॉनिक जवाबी कार्रवाई प्रौद्योगिकी है जिसमें एक अप्रतिरोधी एवं विस्तारणीय अर्थात् फैल सकने योग्य सामग्री को प्रयोग में लाकर शत्रु के रडारों और रेडियो फ्रीक्वेंसी (आर

एफ) मिसाइल साधकों से नौसैनिक पोतों की रक्षा की जाती है। यह प्रौद्योगिकी इसलिए महत्वपूर्ण है कि इसमें नौसेना के पोतों को शत्रु के मिसाइल हमले से बचाने के लिए बहुत कम मात्रा में चाफ सामग्री को हवा में छोड़ा जाता है जो दुश्मन के रडार को भ्रमित कर देती है और युद्ध पोत की ओर बढ़ रही मिसाइलों की दिशा बदलने में सहायता करती है। डी आर डी ओ ने शत्रु देशों से भविष्य में उत्पन्न होने वाले ऐसे किसी खतरे का सामना करने के लिए इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल की है। संबंधित प्रौद्योगिकी बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए उद्योगों को अंतरित की जा रही है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए डी आर डी ओ, भारतीय



नौसेना और उद्योग जगत को बधाई दी। रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी ने भारतीय नौसेना के युद्धपोतों को सुरक्षा प्रदान करने के

लिए इस अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी को स्वदेश में विकसित करने में शामिल टीमों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। नौसेना उप प्रमुख वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार ने काफी कम समय के

भीतर रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस प्रौद्योगिकी को स्वदेश में विकसित करने के लिए डी आर डी ओ की प्रशंसा की।

डी आर डी ओ ने कम वजन की बुलेटप्रूफ जैकेट विकसित की

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ) की कानपुर स्थित प्रयोगशाला रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई) ने कम वजन की बुलेटप्रूफ जैकेट विकसित की है जिसका भार केवल नौ किलोग्राम है। यह जैकेट भारतीय सेना की गुणवत्ता संबंधी जरूरतें पूरी करने में सहायक सिद्ध होगी।

इस 'फ्रंट हार्ड आर्मर पैनल' (एफ एच ए पी) जैकेट का चंडीगढ़ स्थित चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला में (टी बी आर एल) में परीक्षण किया गया जहां इस जैकेट को भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस) द्वारा निर्धारित की गई विनिर्दिष्टियों के अनुरूप पाया गया। इस कम वजन की बुलेट प्रूफ जैकेट (बी पी जे) को विकसित किया जाना इस दृष्टि से भी

अधिक महत्वपूर्ण है कि इस जैकेट को प्रयोग में लाए जाने की स्थिति में जैकेट के वजन में प्रत्येक ग्राम की कमी सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें वजन से राहत प्रदान करती है। इस प्रौद्योगिकी के जरिए मध्यम आकार की बुलेटप्रूफ जैकेट का वजन 10.4 किलोग्राम से घटाकर 9 किलोग्राम कर दिया गया है। इस उद्देश्य के लिए डी आर डी ओ द्वारा अत्यधिक विशिष्ट सामग्रियों और प्रक्रमण प्रौद्योगिकियों को विकसित किया गया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सैनिकों को राहत प्रदान करने के लिए कम वजन की बुलेटप्रूफ जैकेट का विकसित किए जाने पर डी आर डी ओ के वैज्ञानिकों और उद्योग जगत को बधाई दी। रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी



ने भी इस बुलेटप्रूफ जैकेट को विकसित किए जाने के लिए रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई) की टीम को बधाई दी।

घटनाक्रम

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे में 8 मार्च 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी) की निदेशक प्रोफेसर प्रिया अब्राहम मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित की गई थीं। इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में प्रोफेसर प्रिया

अब्राहम ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान नमूना परीक्षण मामले में राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एन आई वी) द्वारा तथा इस महामारी से बचाव के लिए स्वदेशी वैक्सीन को विकसित करने में इस संस्थान द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. वी वेंकटेश्वर राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना

(ए आर डी ई) ने इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी ओर से महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के लिए वचनबद्ध होने की आवश्यकता है। सुश्री चित्रा अभ्यंकर, वैज्ञानिक 'एफ' तथा आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई) के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ने विगत वर्ष के दौरान ए आर डी ई के महिला प्रकोष्ठ

द्वारा किए गए विभिन्न क्रियाकलापों तथा प्राप्त की गई उपलब्धियों के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौर में अपने विशेष कर्तव्यों को समझते हुए उत्कृष्ट योगदान करने वाली महिला कर्मचारियों का निदेशक द्वारा अभिनंदन किया गया। इस समारोह में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसेकि हस्त लेखन प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई) की प्रथम महिला श्रीमती जया लक्ष्मी द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून में 8 मार्च 2021 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री पी के शर्मा, निदेशक, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) और डॉ. आलोक नियोगी एवं प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री शर्मा ने डी आर डी ओ के विकास में इसकी महिला कर्मचारियों द्वारा किए गए



योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. आलोक नियोगी द्वारा 'प्रगतिशील होना : अब लैंगिक समानता पर विचार करने तथा उसे संवर्धन प्रदान करने का समय आ गया है' विषय पर दिए गए मोटिवेशनल टॉक (प्रेरणाप्रद व्याख्यान) की समारोह में आए सभी श्रोताओं द्वारा मुक्त कंठ से सराहना की गई। श्री अनुपम पांडे, एस ए ओ-I ने इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में श्रोताओं को केंद्र सरकार के कार्यालयों में कार्य कर रही महिला कर्मचारियों को उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं के संबंध में विस्तार से बताया। इस अवसर पर आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसेकि रंगोली प्रतियोगिता,

गायन प्रतियोगिता, हस्तशिल्प प्रतियोगिता में प्रयोगशाला की महिला कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम का समापन सुश्री वंदिता द्वारा संचालित कला एवं शिल्प कार्यशाला और तदुपरांत पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

रक्षा शरीर क्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली

रक्षा शरीर क्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली में 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीनवर्ती उद्योग संवर्धन तथा आंतरिक व्यापार विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. वंदना कुमार समारोह की मुख्य अतिथि थीं तथा इमेज कंसलटेंट एंड सॉफ्ट स्किल ट्रेनर श्रीमती श्वेता वर्मा इस समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित की गई थीं। डॉ. वंदना कुमार ने इस अवसर पर डी आर डी ओ के साथ कार्य करने का अपना विशाल अनुभव श्रोताओं के साथ साझा किया और जीवन के सभी क्षेत्रों में महिला वैज्ञानिकों को प्रोत्साहन प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि आज के परिदृश्य में



महिलाएं पुरुषों के समकक्ष कार्य करते हुए सभी परिस्थितियों का सामना कर रही हैं और सभी क्षेत्रों में पर्याप्त ऊंचाइयों को छू रही हैं। इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में श्रीमती वर्मा ने कार्य स्थल पर किस प्रकार का वस्त्र पहनना चाहिए और किस प्रकार अपने व्यक्तित्व का विकास किया जा सकता है, इस विषय पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम का समापन रक्षा शरीर क्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) के निदेशक द्वारा समारोह में उपस्थित अतिथियों के अभिनंदन के साथ हुआ।

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), हैदराबाद में 14 मार्च 2021 को आभासी माध्यम (ऑनलाइन मोड) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह 2021 का आयोजन किया गया। डॉ. के महेश्वर रेड्डी, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल)



ने इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में प्रौद्योगिकी, प्रबंधन तथा नेतृत्व, आदि के क्षेत्र में महिलाओं को आगे बढ़कर काम करने तथा इन क्षेत्रों से संबंधित चुनौतियों का सामना करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा लैंगिक समानता के लिए आगे आने की आवश्यकता के बारे में बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुश्री किरण उनियाल ने 'महिला तथा सुरक्षा' विषय पर व्याख्यान दिया तथा महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में विस्तार से बताया। अतिथि वक्ता डॉ. प्रीति अघालयम, प्राध्यापक, आई आई टी-मद्रास ने इस समारोह में 'विज्ञान प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी प्रबंधन (एस टी ई एम) में महिलाएं' विषय पर व्याख्यान दिया तथा बताया कि उपलब्ध आंकड़ों से यह ज्ञात होता है कि महाविद्यालय से लेकर उच्चतर अध्ययन तक के सभी क्षेत्रों में विज्ञान प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी प्रबंधन (एस टी ई एम) के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी प्रतिशत में कमी आ रही है। इस अवसर पर रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल) की महिला कर्मचारियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों को दर्शाते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2021 के प्रतिपाद्य विषय 'चुनौती का चयन' पर एक वीडियो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। व्याख्यानों के उपरांत रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का समापन एक प्रश्नोत्तरी सत्र के साथ किया गया।

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद द्वारा तमहंकर सभागार में अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के

साथ 19 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2021 समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. जी जगन रेड्डी, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, निर्माण समिति ने समारोह में उपस्थित सभी जनों का स्वागत किया तथा अपने व्याख्यान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए निर्धारित किए गए इस वर्ष के प्रतिपाद्य विषय 'चुनौती का चयन' के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुश्री अंजली कुमारी, वैज्ञानिक 'सी' तथा संयोजक, महिला प्रकोष्ठ ने विगत वर्ष के दौरान रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) के महिला प्रकोष्ठ द्वारा किए गए विभिन्न क्रियाकलापों तथा प्राप्त की गई उपलब्धियों के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर आपने रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) की महिला कर्मचारियों द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों के संबंध में विस्तार से बताया तथा उन्हें बधाई दी। डी एम आर एल वर्कर्स नेशनल यूनियन के अध्यक्ष श्री के श्रीकांत गौड़ तथा डी एम आर एल की वर्कर्स कमेटी के उपाध्यक्ष श्री राशिद अली ने भी महिलाओं के सशक्तिकरण विषय पर और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह को आयोजित करने के महत्व पर अपने विचार रखे। डॉ. टी के नंदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा सह निदेशक, डी एम आर एल ने अपने व्याख्यान में डी एम आर एल की सभी महिला कर्मचारियों द्वारा पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य में अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट (भारतीय नौसेना) जया श्रीवास्तव, सहायक निदेशक, एम एस क्यू ए ए ने 'आप तब तक न रुकें जब तक गौरव प्राप्त कर लें' विषय पर एक अत्यधिक प्रेरणाप्रद एवं विचारोत्पादक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर आपने अपनी स्वयं की 'सफलता की कहानी' का



उल्लेख करते हुए श्रोताओं को प्रोत्साहित किया। अंत में श्रीमती वी मीना कुमारी, तकनीकी अधिकारी 'बी' और संयोजक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के समवेत गायन के साथ हुआ।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर में 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तेजपुर की प्रख्यात हृदय रोग विज्ञानी डॉ. दीप्ति रेखा बरुआ, एम डी, डी आई पी, सी ए आर डी,

एफ ई ए सी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में आपने रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) की सभी महिला वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं को रोजाना के कामकाज में विभिन्न चुनौतियों का सामना करने तथा अपनी महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने की दिशा में संकल्प, समर्पण, अनुशासन और निर्देशन के साथ कठोर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. संजय कुमार द्विवेदी, निदेशक, डी आर एल ने समारोह में उपस्थित अतिथि का स्वागत किया तथा परिवार और साथ ही कार्य दोनों के बीच संतुलन स्थापित करने

में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख किया। इस अवसर पर 'रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर में महिला कार्यबल' विषय पर एक पोस्टर अभिकल्पित किया गया और उसे प्रदर्शित किया गया। डॉ. रश्मि रेखा देवी, वैज्ञानिक 'ई' ने रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) के महिला प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) की महिला प्रशिक्षुओं ने भी अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। इस अवसर पर रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला में महिला प्रशिक्षुओं के लिए 'विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिला' विषय पर आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह में उपस्थित अतिथि ने रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला के प्रदर्शनी कक्ष का भी निरीक्षण किया जहां उन्हें उन्हें डी आर एल द्वारा विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी दिखाई गई।



उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे ने 8 मार्च 2021 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में श्री के पी एस मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा अध्यक्ष, महिला परिषद एवं निदेशक, एच ई एम आर एल ने समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित किया। समारोह में दिए गए अपने व्याख्यान में श्री के पी एस मूर्ति ने महिला सशक्तिकरण तथा समाज में महिलाओं की भूमिका से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान के दौरान आपने इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के प्रतिपाद्य विषय 'चुनौती का चयन' के संबंध में समारोह में उपस्थित जनों को विस्तार से बताया। श्रीमती संदीप कौर, वैज्ञानिक 'एफ' तथा उपाध्यक्ष, एच ई एम आर एल महिला परिषद ने वर्ष 2020 के दौरान एच ई एम आर एल की महिला परिषद द्वारा किए गए विभिन्न क्रियाकलापों की रूपरेखा के संबंध में विस्तार से बताया। इस समारोह को स्मरणीय बनाने के लिए इस अवसर पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उपयुक्त पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर सोशल फाउंडेशन एस एच बी (साथी हाथ बढ़ाना) की निदेशक सुश्री जानकी विश्वनाथ को समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। आपने समारोह में उपस्थित जनों के समक्ष 'वैश्विक महामारी से प्राप्त सीख' विषय पर एक व्याख्यान दिया जिसे श्रोताओं द्वारा काफी पसंद किया गया। इसके अतिरिक्त इस अवसर पर 'क्या



महिला दिवस समारोह को सांकेतिक रूप में आयोजित करने से महिला सशक्तिकरण की दिशा में उपलब्धि प्राप्त की जा सकती है' विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दो पक्ष और विपक्ष समूहों ने इस विषय पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। दोनों ही समूहों द्वारा प्रस्तुत किए गए विचारों और सुझावों की काफी सराहना की गई तथा दोनों समूहों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को श्रोताओं ने भी काफी पसंद किया।

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में 8 मार्च 2021 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की



रूपरेखा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस वर्ष के प्रतिपाद्य विषय 'चुनौती का चयन' को ध्यान में रखकर तैयार की गई थी। कार्यक्रम का आरंभ एक छोटे पारस्परिक मिलन कार्यक्रम के साथ हुआ जिस दौरान कोविड-19 से संबंधित सभी प्रोटोकॉलों को ध्यान में रखा गया। समारोह में उपस्थित प्रत्येक महिला कर्मचारी को गुलाब का एक फूल देकर और उनके प्रति आभार प्रकट करते हुए उनका स्वागत किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि तथा प्रमुख वक्ता टोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एस एस पी एल), दिल्ली की निदेशक डॉ. सीमा विनायक थी जिन्होंने इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपने अनुभवों को समारोह में उपस्थित प्रतिभागियों के साथ साझा किया। इस समारोह में संस्थान के वक्ताओं द्वारा दो व्याख्यान दिए गए जिनमें से डॉ. मंजू बाला पोली ने महिलाओं द्वारा स्वयं को एक व्यक्ति मानते हुए 'स्वयं का हित साधन' विषय पर व्याख्यान दिया गया तथा दूसरा व्याख्यान सुश्री सुनीता शर्मा द्वारा दिया गया जिन्होंने अपने व्याख्यान में 'अवसाद की मनोदशा से गुजर रहे व्यक्तियों के लिए फलित ज्योतिष में सुझाए गए उपचार' विषय पर प्रमुख व्याख्यान दिया। इस अवसर पर महिला कल्याण समिति की अध्यक्ष डॉ. राशि माथुर, वैज्ञानिक 'एफ' ने वर्ष 2020 के दौरान नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) की महिला कर्मचारियों द्वारा किए गए क्रियाकलापों तथा कोविड-19 के प्रबंधन, परीक्षण एवं उससे बचाव के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का अनुपालन करने के क्षेत्र में किए गए कार्यों के संबंध में एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह के दौरान महिला सशक्तिकरण विषय पर एक नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस समारोह में 'बैंगनी रंग के लालित्य' पर प्रतिभागियों द्वारा मनोविनोद व्यक्त किया गया। बैंगनी रंग अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

मनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत रंग है और इस रंग को इस समारोह का ड्रेस कोड भी बनाया गया था। इस समारोह को डॉ. पूनम राणा, वैज्ञानिक 'एफ', सुश्री प्रमजोत कौर और सुश्री सपना वैद्य द्वारा सफलतापूर्वक संयोजित किया गया।

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम), मसूरी में 8 मार्च 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह का आरंभ प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आई टी एम) की सभी महिला कर्मचारियों और आई टी एम विद्यालय की शिक्षिकाओं के पारस्परिक मिलन कार्यक्रम के साथ हुआ। श्री संजय टंडन उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आई टी एम ने इस अवसर पर महिलाओं की विशेषताओं का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए विभिन्न उदाहरणों के साथ संगठनात्मक आचरण विषय पर एक अत्यधिक प्रेरणाप्रद व्याख्यान दिया। उनका यह व्याख्यान 'पत्नियों/महिलाओं से शिक्षण प्राप्त करने की प्रक्रिया का प्रबंधन' विषय पर दिया गया था। इस दिवस को और अधिक

स्मरणीय बनाने के लिए महिलाओं के लिए कुछ खेल कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं द्वारा पूरे मन से भागीदारी की गई तथा इस दौरान दर्शकों के रूप में मौजूद पुरुष कर्मचारियों ने उनकी खेल प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला

(एन एम आर एल), अंबरनाथ में 8 मार्च 2021 को अत्यधिक उत्साह एवं प्रसन्नता के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छाया अस्पताल, अंबरनाथ से डॉ. शुभांगी वेदेकर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर समारोह की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर एन एम आर एल की महिला कर्मचारियों के लिए सुश्री मनीषी जौहरी (प्राकृतिक चिकित्सा तथा चिकित्सा आहारविज्ञानी) द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य तथा उनके कल्याण विषय पर व्याख्यान



दिया गया। डॉ. एम पत्री, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन एम आर एल ने इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में प्रयोगशाला की महिला कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया तथा किसी भी संगठन के समग्र विकास में महिलाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात शुभांगी वेदेकर ने समारोह में उपस्थित विशिष्ट जनों के समक्ष अपने जीवन के अनुभव और अपने विचारों को साझा करते हुए एक अत्यधिक

ओजस्वी एवं प्रेरणाप्रद व्याख्यान दिया। इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान में आपने समारोह में उपस्थित महिलाओं को वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए उन्हें अत्यधिक महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की और उन्हें महामारी के इस दौर में शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बने रहने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों से अवगत कराया। नौसेना सामग्री

अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल) की प्रथम महिला द्वारा एन एम आर एल की कैंटीन और बागीचे में काम करने वाली महिलाओं को उपहार दिए गए। निदेशक, एन एम आर एल ने सम्मानित मुख्य अतिथि को स्नेह तथा सराहना के प्रतीक के रूप में एक स्मृति चिन्ह भेंट किया और अंत में धन्यवाद प्रस्ताव के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून में अत्यधिक उमंग एवं उत्साह के साथ 23 फरवरी 2021 को वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस दिवस को स्मरणीय बनाने के लिए इस अवसर पर विभिन्न क्रीडा और खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित किए गए विभिन्न खेलों में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, फील्ड, इवेंट्स, आदि शामिल किए गए थे। इन सभी कार्यक्रमों में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) से काफी अधिक संख्या में कर्मचारियों ने कोविड-19 से बचाव से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए भाग लिया। श्री पी के शर्मा, निदेशक डील ने इस अवसर पर प्रयोगशाला के प्रतिभावान कर्मचारियों और विभिन्न खेलकूद कार्यक्रमों के विजेताओं को प्रयोगशाला स्तरीय डी आर डी ओ पुरस्कार, नकद पुरस्कार और खेलकूद पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए आपने प्रयोगशाला परिसर में एक पौधा भी लगाया। समारोह में दिए गए अपने भाषण में श्री शर्मा ने प्रयोगशाला के सभी कर्मचारियों को बधाई



दी तथा वर्ष 2020 के दौरान वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के होते हुए भी रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील) के कर्मचारियों द्वारा प्राप्त की गई विभिन्न उपलब्धियों के बारे में संक्षेप में बताया।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे ने 1 मार्च 2021 को अपना 61वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण उत्पन्न

प्रतिकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रयोगशाला के मुख्य भवन में सभी निवारक उपायों और सावधानियों को अपनाते हुए पोर्च के खुले क्षेत्र में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्रयोगशाला के 'सेल्फ रिलायंस पॉइंट' पर स्थापित की गई डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम की आवक्ष मूर्ति पर निदेशक द्वारा माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि दिए जाने के साथ हुआ। इसके पश्चात समारोह में उपस्थित सभी जनों के समक्ष निदेशक ने स्वागत भाषण दिया। स्थापना दिवस समारोह के एक हिस्से के रूप में प्रयोगशाला के प्रतिभाशाली कर्मचारियों को प्रयोगशाला स्तरीय डी आर डी ओ पुरस्कार और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। श्री विकास घोष, वैज्ञानिक 'एफ' तथा

सुश्री दर्शना सिंह, वैज्ञानिक 'ई' को वर्ष 2020 के प्रयोगशाला वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) एस वी पेडगांवकर, वैज्ञानिक 'एफ' और उनकी टीम को एस यू-30 मार्क-I विमानों को आई आर निर्देशित मिसाइलों के हमले से सुरक्षा प्रदान करने हेतु *50 एम एम के एम टी वी आई आर फ्लेयर्स को सफलतापूर्वक विकसित किए जाने के लिए प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रक्षा अनुसंधान तथा तकनीकी संवर्ग (डी आर टी सी) से सर्वोत्तम कार्य निष्पादन पुरस्कार श्री ए एम करान्जकर, तकनीकी अधिकारी 'सी' और श्रीमती कावेरी एम वाखड़े, तकनिशियन 'ए' को प्रदान किया गया। सुश्री श्री कुलकर्णी, वैज्ञानिक 'ई' को प्रबंध सेवाओं के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रक्षा अनुसंधान तथा तकनीकी संवर्ग (डी आर टी सी संवर्ग) से प्रयोगशाला पुरस्कार



श्री ए के देवांगन, तकनीकी अधिकारी 'बी' और सुश्री जयश्री श्रीनाथ, तकनीकी अधिकारी 'बी' को प्रदान किए गए। इसके साथ ही प्रशासन एवं संबद्ध श्रेणियों के लिए प्रयोगशाला पुरस्कार श्रीमती शीला कुरियन, प्रशासनिक

अधिकारी तथा श्री वी जी बेनेडिक्ट, भंडार अधिकारी को प्रदान किए गए। प्रयोगशाला में 25 वर्षों की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मचारियों का भी इस समारोह में अभिनंदन किया गया

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे में 50वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह का समापन 5 मार्च 2021 को हुआ। इस अवसर पर आयोजित किए गए समारोह में मुख्य अतिथि श्री आर अप्पाउराज, अध्यक्ष, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम) और पूर्व निदेशक, प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पी एक्स ई), बालासोर ने 'परीक्षण परिसर में आयुध प्रणालियों के परीक्षण और मूल्यांकन' विषय पर एक अत्यधिक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया जिसमें परीक्षणों के दौरान पालन किए जाने वाले सुरक्षा उपायों और तैयारियों से संबंधित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया था। इस अवसर पर आयोजित की गई सुरक्षा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।



रक्षा शरीर क्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली

रक्षा शरीर क्रिया तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली में 'सुरक्षा से संबंधित जागरूकता संवर्धन' विषय पर

एक व्याख्यान का आयोजन करके राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह (4-11 मार्च 2021) मनाया गया। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह व्याख्यान वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया था। डॉ. रिचा, वैज्ञानिक 'ई' तथा



प्रमुख, गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने इस कार्यक्रम का संयोजन किया। श्रीमती अलका दीवान, वैज्ञानिक 'जी' और सह निदेशक, अग्नि, विस्फोटक एवं पर्यावरण सुरक्षा केन्द्र (सीफीस), दिल्ली ने इस अवसर पर 'व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन' विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर आपने इस बात पर ध्यान दिलाते हुए कि सुरक्षा किसी एक व्यक्ति का उत्तरदायित्व नहीं है बल्कि इसके लिए किसी भी संस्थान के सभी कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले संयुक्त प्रयास की आवश्यकता होती है, आपने प्रत्येक स्थान पर संपूर्ण रूप में सुरक्षा संस्कृति का अनुपालन किए जाने पर बल दिया। अपने इस व्याख्यान में आपने प्रयोगशाला के कर्मचारियों में सुरक्षा के संबंध में जागरूकता सृजन किया तथा कार्यस्थल पर समग्र सुरक्षा के लिए आवश्यक क्रियाविधियों को अपनाने के प्रति प्रयोगशाला के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को जानकारी प्रदान की। इस वेबिनार में रक्षा शरीर क्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने भाग लिया।

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) हैदराबाद में 18-19 मार्च 2021 के दौरान सुरक्षा जागरूकता अभियान सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अभियान को आयोजित करने का लक्ष्य



कार्य संस्कृति एवं जीवन शैली में सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण को समेकित करने के अंतिम लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पूरे वर्ष भर सुरक्षित रह कर कार्य करने के लिए संस्थान के कर्मचारियों और आम जनता को एक बार फिर से नए सिरे से प्रतिबद्ध बनाना था। इस अवसर पर संस्थान के मुख्य सुरक्षा गेट पर सुरक्षा समूह तथा सुरक्षा समिति के सदस्यों द्वारा रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) के सभी कर्मचारियों को सुरक्षा बैज लगाकर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान अग्निशमन समूह द्वारा प्रयोगशाला के कर्मचारियों के लिए एक अग्निशमन प्रदर्शन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। 19 मार्च 2021 को 50वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. जी मधुसुधन रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डी एम आर एल ने इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। श्री बी बी सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' और समूह प्रमुख, सुरक्षा तथा अध्यक्ष, सुरक्षा समिति ने इस अवसर पर स्वागत भाषण दिया तथा गत वर्ष के दौरान सुरक्षा से संबंधित किए गए उपायों के संबंध में संक्षेप में जानकारी दी। डी एम आर एल की वर्क्स कमेटी के उपाध्यक्ष श्री राशिद अली तथा डी एम आर एल वर्क्स नेशनल यूनियन के अध्यक्ष श्री के श्रीकांत और बी पी एम एस के अध्यक्ष श्री उदय कुमार गौड़ ने भी इस समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित किया तथा अपने व्याख्यान में सुरक्षा संस्कृति को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर

दिए गए अपने व्याख्यान में निदेशक, डी एम आर एल ने जीवन के सभी क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों को अपनाने के महत्व पर बल दिया। श्री ए सत्यनारायण, सदस्य, सुरक्षा समूह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया तथा डॉ. पी के साहू द्वारा समारोह में उपस्थित सभी जनों को सुरक्षा शपथ दिलाई गई।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे में 4 से 10 मार्च 2021 के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के परिप्रेक्ष्य में प्रयोगशाला के सभी कर्मचारियों में सुरक्षा बैज वितरित किए गए। इस दौरान सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण विषय पर अंग्रेजी हिंदी और मराठी में सुरक्षा नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा प्रत्येक भाषा से सर्वोत्तम 3 नारे को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। 5 मार्च 2021 को दो श्रेणियों के अंतर्गत सुरक्षा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए निर्धारित की गई दो श्रेणियों में पहली श्रेणी में वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों तथा वरिष्ठ तकनीकी सहायकों को शामिल किया गया था और दूसरी श्रेणी में प्रयोगशाला के गैर तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रखा गया था। इनमें से प्रत्येक श्रेणी के पहले तीन विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। 8 मार्च 2021 को सुरक्षा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा इस प्रतियोगिता में भी पहले तीन स्थानों पर आए विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। 9 मार्च 2021 को सुरक्षा, स्वास्थ्य

तथा पर्यावरण बुलेटिन जारी किया गया जिसमें सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण विषयक विभिन्न लेखों को शामिल किया गया था तथा बुलेटिन में शामिल किए गए पहले सर्वोत्तम तीन लेखों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 10 मार्च 2021 को उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) के कर्मचारियों के लिए अग्निशमन प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता सृजित करना था। 10 मार्च 2021 को ही उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) के कर्मचारियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा विषय पर एक व्याख्यान का भी आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य कर्मचारियों में प्राथमिक चिकित्सा के संबंध में जागरूकता सृजित करना था। वर्ष 2021 के दौरान सुरक्षा उपायों को प्रयोग में लाए जाने के संबंध में किए गए प्रदर्शन के आधार पर प्रयोगशाला के इग्निटर डिविजन और सिक्योरिटी डिविजन को क्रमशः सर्वोत्तम परियोजना प्रभाग और सहायक प्रभाग (सपोर्ट डिविजन) के रूप में सुरक्षा ट्रॉफियां प्रदान की गईं। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे से प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), विक्रम एस घोले इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में आपने 'पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रदूषकों के प्रभाव तथा भ्रूण विकास' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। श्री के पी एस मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एच ई एम आर एल ने इस समारोह में उपस्थित जनों को विभिन्न ऊर्जा पदार्थों का रख रखाव करने के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के महत्व के संबंध में बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा निदेशक द्वारा सुरक्षा ट्रॉफियां दी गईं और सर्वोत्तम प्रभागीय सुरक्षा अधिकारी पुरस्कार प्रदान किए गए।

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ के अग्निशमन तथा सुरक्षा समूह ने एन एम आर एल के कर्मचारियों के बीच सुरक्षा से संबंधित व्यवहारों को संवर्धन प्रदान करने के लिए 50वें गौरवपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के उपलक्ष्य में 4 मार्च 2020 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस समारोह के एक हिस्से के रूप में आमंत्रित अतिथि वक्ता

द्वारा दिए गए सुरक्षा दिवस व्याख्यान का आयोजन किया गया। श्री आर के मेंडोला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (सेवानिवृत्त), पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पी ई एस ओ), कोलकाता ने इस अवसर पर 'गैसों तथा खतरनाक रसायनों से बचाव हेतु सुरक्षा से संबंधित विनियम - एक मामला अध्ययन' विषय पर सुरक्षा व्याख्यान दिया। इस अवसर पर एन एम आर एल के सभी कर्मचारियों को निदेशक द्वारा 'सुरक्षा तथा स्वास्थ्य' शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर एन एम आर एल के निदेशक द्वारा गठित की गई एक



समिति ने सभी प्रभागों में सुरक्षा से संबंधित मानदंडों के अनुपालन की स्थिति की जांच करने के लिए प्रभागों का निरीक्षण किया और उसके पश्चात ईंधन सेल टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट (एफ सी टी डी) को 'सुरक्षा नियमों का अनुपालन-सर्वोत्तम विभाग ट्रॉफी-2020' प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, इस अवसर पर एन एम आर एल के सभी कर्मचारियों के लिए एक निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा इसके विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस संपूर्ण सुरक्षा सप्ताह के दौरान एन एम आर एल के परिसर में राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान-2021 के प्रतिपाद्य विषय को दर्शाने वाले बैनर प्रदर्शित

किए गए तथा एन एम आर एल के सभी कर्मचारियों ने इस दौरान सुरक्षा बैज को पहना। 9 मार्च 2021 को अग्निशमन से संबंधित मॉक ड्रिल (नकली अभ्यास) किया गया तथा साथ ही आपात स्थिति से जुड़ा रहे अग्नि से पीड़ित व्यक्तियों की देखभाल के संबंध में प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन तथा सुरक्षा समूह द्वारा अग्निशामक यंत्रों के प्रचालन एवं प्रयोग के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा इसमें शामिल प्रशिक्षणार्थियों को अग्नि आपात की स्थिति का सामना करने के लिए उन्हें विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों, उनके प्रकार और आग लगने की

स्थिति में अपनाए जाने वाले प्रोटोकॉल और फायर हाइड्रेंट, आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। चिकित्सीय निरीक्षण कक्ष (एम आई रुम) में कार्य कर रहे विशेषज्ञों ने आपात स्थिति से जुड़ा रहे पीड़ितों का उपचार करने और विशेष रूप से एसिड इंजरी, बर्न इंजरी, इलेक्ट्रिकल शॉक, लेग इंजरी, आपात स्थिति में संचार व्यवस्था, बेहोश व्यक्ति को होश में लाने के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली विभिन्न विधियों, आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की। कोविड-19 की मौजूदा परिस्थितियों में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण इस कार्यक्रम में प्रत्येक प्रभाग से सीमित संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे में 26 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. नरेंद्र कर्मकार इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई) के पूर्व निदेशक श्री सुरेंद्र कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) इस समारोह के सर्वाधिक सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। समारोह में डॉ. कर्मकार ने 'संगणन सिद्धांत के व्यापक दृष्टिकोण की ओर'

विषय पर एक अत्यधिक सारगर्भित व्याख्यान दिया। श्री सुरेंद्र कुमार ने 'नवाचार का दौर' विषय पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. बी ए पराते, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'एयरक्राफ्ट में सीट के प्रक्षेपण में अंतर्निहित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयक उन्नत संकल्पना' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) व्याख्यान दिया।

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह 2021 का आयोजन किया गया। डॉ. डी के सिंह, निदेशक, उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद (यू बी सी), हल्दी, उत्तराखंड को इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. सिंह ने इस समारोह में दिए गए अपने व्याख्यान में उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद (यू बी सी) द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के बारे में संक्षेप में बताया तथा आगामी वर्षों के दौरान डी आर

डी ओ से के साथ प्रतिभागिता विकसित करने की आवश्यकता के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ. मधु बाला, निदेशक, रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) ने उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद (यू बी सी) को समुन्नत बनाने में डॉ. सिंह द्वारा निर्वहन की गई भूमिका की सराहना की और आश्वासन दिया कि रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद (यू बी सी) के साथ रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभागिता को आगे भी जारी रखा जाएगा। डॉ. अतुल ग़ोवर, वैज्ञानिक 'ई' को इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) पदक से सम्मानित किया गया



तथा रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को प्रयोगशाला स्तरीय पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद में ताम्हणकर सभागार में 11 मार्च 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में डॉ. ए वेणुगोपाल राव, वैज्ञानिक 'जी' ने 'संरचनात्मक अखंडता से संबंधित बहुविषयी विज्ञान' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस



डी) व्याख्यान दिया।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर

रक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान के कार्य से जुड़े रक्षा अनुसंधान स्कॉलर्स फोरम (डी आर एस एफ) ने रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर के तत्वावधान में 1 मार्च 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में श्री अनंत सैकिया, वैज्ञानिक 'ई' ने 'अलवण जल के नए स्रोतों के रूप में पर्वत एवं ग्लेशियर क्षेत्र (माउंटटेन एंड



ग्लेशियर रिजन ऐज फ्रेश वाटर रिसोर्सेस) विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) व्याख्यान दिया। आपको इस व्याख्यान के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) पदक एवं प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) के छात्र प्रतिभागियों के लिए विज्ञान विषयक विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया गया जैसे कि 'सैनिकों द्वारा जंगल में चलाए जाने वाले अभियानों में उनकी सहायता से संबंधित प्रौद्योगिकी' विषय पर गहन विचारोत्पादक सत्र का आयोजन किया गया और विज्ञान विषयक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस दिन रक्षा अनुसंधान स्कॉलर्स फोरम (डी आर एस एफ) ने उडमरि प्राइमरी स्कूल, सोलमारा के छात्रों के सहायताार्थ अपने निजी योगदान से स्कूल को किताबों को रखने की आलमारी और पुस्तकें भेंट की।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे में 1 मार्च 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2021 समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर जयंत उदगांवकर, निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं

अनुसंधान संस्थान (आई आई एस ई आर), पुणे इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। कार्यक्रम का आरंभ एच ई एम आर एल के निदेशक श्री के पी एस मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों तथा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के संयोजक द्वारा दीप प्रज्वलित किए जाने के साथ हुआ। इसके पश्चात उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) के निदेशक ने इस समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि तथा अन्य विशिष्ट जनों का स्वागत किया। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए इस समारोह के लिए सीमित संख्या में प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया था तथा मुख्य अतिथि समारोह में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सम्मिलित हुए थे। निदेशक, एच ई एम आर एल ने समारोह में उपस्थित सभी जनों का स्वागत करते हुए हुए उन्हें उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) में विज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में संक्षेप में अवगत कराया तथा भारत को नोदक पदार्थों, विस्फोटकों, अग्निक्रीड़ा और अन्य संबद्ध प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने की दिशा में इस प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे योगदान पर प्रकाश डाला। निदेशक, एच ई एम आर एल ने भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) 2021 के प्रतिपाद्य विषय 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार



पाठकों की राय

(आपकी राय हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें इस पत्रिका को और अधिक परिमार्जित करने का अवसर प्राप्त होगा तथा ऐसा करके हम अपने संगठन की बेहतर सेवा कर पाएंगे)

1. स्थापना का नाम : _____
2. आप डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे प्रौद्योगिकी तथा उत्पाद विकास को उपयुक्त रूप में प्रस्तुत करने के एक माध्यम के रूप में डीआरडीओ समाचार का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
3. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल की गई तकनीकी सामग्रियों का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
4. आप डीआरडीओ समाचार में शामिल किए गए चित्रों की गुणवत्ता का निम्नलिखित किस रूप में मूल्यांकन करेंगे?
उत्कृष्ट बहुत अच्छा अच्छा उचित संतोषजनक
5. आप डीआरडीओ समाचार को उपयुक्त रूप में कितने पृष्ठों की पत्रिका के रूप में देखना चाहते हैं?
8 पृष्ठ 12 पृष्ठ 16 पृष्ठ 20 पृष्ठ
6. आप डीआरडीओ समाचार को किस माध्यम में पसंद करेंगे?
मुद्रित ई-प्रकाशन वीडियो पत्रिका
7. आपको डीआरडीओ समाचार की प्रति कब प्राप्त होती है?
 प्रकाशन के पूर्ववर्ती महीने में
 प्रकाशन के माह में
 प्रकाशन के अगले महीने
8. डीआरडीओ समाचार में निहित तकनीकी सामग्री में आगे और सुधार लाने के लिए आपके सुझाव :
.....
.....
.....

नाम : पदनाम :

संगठन का नाम :

दूरभाष : ई-मेल :

पता :



कृपया अपने सुझाव निम्नलिखित पते पर भेजें

संपादक, डीआरडीओ समाचार, डेसीडॉक, डीआरडीओ, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054

दूरभाष : 011-23902403, 23902482 फ़ैक्स : 011-23819151

ई-मेल : director@desidoc.drdo.in



डीआरडीओ समाचार अपने प्रकाशन के तैंतीसवें वर्ष में है। यह प्रकाशन रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) का मुख पत्र है। यह प्रकाशन डीआरडीओ की वेब साइट पर पीडीएफ रूप में उपलब्ध है। इस प्रकाशन को अपने पते पर मंगवाने के लिए कृपया निदेशक, डेसीडॉक को लिखें।

का भविष्य: शिक्षा, कौशल और कार्य पर प्रभाव' के संबंध में सभी प्रतिभागियों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर सुश्री विजय लक्ष्मी, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा 'केमिस्ट्री ऑफ ट्यूनेबल एक्सप्लोसिव इंफ एंड इट्स इमार्जिंग एप्लीकेशंस' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) व्याख्यान प्रस्तुत किया। आपको इस व्याख्यान के लिए निदेशक, एच ई एम आर एल के हाथों पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर जयंत उदगांवकर ने 'एन अंडरस्टैंडिंग ऑफ प्रोटीन फोल्डिंग एंड अनफोल्डिंग' विषय पर एक नवोन्मेषी एवं अत्यधिक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। आपने अपने इस व्याख्यान में मानव शरीर के भीतर 'सब-नैनो' स्तर पर घटित होने वाले प्रक्रम के बारे में अत्यधिक ज्ञानवर्धक जानकारी दी तथा जैविक साधनों को प्रयोग में लाकर पी पी एम स्तर पर विस्फोटकों की उपस्थिति को ज्ञात करने की विधि के संबंध में भी संक्षेप में बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। अंत में डॉ. श्रीमती प्रमिता चौधरी, वैज्ञानिक 'ई'

द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ में कोविड-19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखकर जारी किए गए प्रोटोकॉलों का अनुपालन करते हुए अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ 26 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. एम पत्री, निदेशक, एन एम आर एल ने कार्यक्रम में शामिल विद्वतजनों, विशेषकर वैज्ञानिकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्हें अपने इस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए नवोन्मेषी तथा उन्नत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. बालोजी नायक,



वैज्ञानिक 'डी' को उनके द्वारा 'समुद्री पोतों के बाहरी खोल पर जमे दूषित पदार्थों को हटाने के लिए प्रयोग में लाए जाने हेतु टिकाऊ तथा अविषाक्त 'फाउलिंग रिलीज कोटिंग' को विकसित करने के लिए प्रयुक्त अनुसंधान कार्यनीति' विषय पर दिए गए व्याख्यान के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (एन एस डी) व्याख्यान पदक से सम्मानित किया गया।

स्वीकृत पेटेंट

"ए ए 2519 (Al- Cu - Mg - Zn - Ti -V) मिश्र धातु तैयार करने से संबंधित प्रक्रम" के लिए पेटेंट (पेटेंट संख्या 345 987) मंजूर किया गया है जिसके प्रौद्योगिकी आविष्कारक रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) के डॉ. ए के मुखोपाध्याय हैं।

युवा वैज्ञानिक तकनीकी फोरम (वाई एस टी एफ) द्वारा पोस्टर सत्र का आयोजन किया गया

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) के युवा वैज्ञानिक तकनीकी फोरम (वाई एस टी एफ) द्वारा 3 मार्च 2021 को एक दिवसीय "वाई एस टी एफ पोस्टर सत्र" का आयोजन किया गया। डॉ. जी मधुसुधन रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डी एम आर एल

ने इस पोस्टर सत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिए गए अपने उद्घाटन भाषण में आपने रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) में किए जा रहे पदार्थ विकास कार्यों के संबंध में एक विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करते हुए एक अत्यधिक प्रेरणाप्रद व्याख्यान

दिया और ऐसे विभिन्न महत्वपूर्ण एवं भविष्य में प्रस्तुत होने वाले अनुसंधान क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जिनमें युवा वैज्ञानिकों द्वारा उल्लेखनीय योगदान किया जा सकता है। इसके उपरांत प्रयोगशाला के निदेशक तथा अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला कक्ष का निरीक्षण किया



गया जहां युवा वैज्ञानिक तकनीकी फोरम (वाई एस टी एफ) के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए पोस्टर प्रदर्शित किए गए थे। इस कक्ष में विभिन्न महत्वपूर्ण पदार्थों जैसे कि इस्पात, सुपर मिश्रधातु और तापसह्य

मिश्रधातु, टिटैनियम मिश्रधातु, सिरैमिक, बहुलक पदार्थों और समिश्र पदार्थों को शामिल करते हुए तथा उन्नत प्रकमण एवं अभिलक्षण निर्धारण तकनीकों को प्रदर्शित करते हुए लगभग 20 पोस्टर लगाए गए

थे। रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) में आयोजित किए गए इस पोस्टर सत्र में डी एम आर एल के युवा वैज्ञानिक तकनीकी फोरम (वाई एस टी एफ) के अतिरिक्त हैदराबाद स्थित डी आर डी ओ की अधीनवर्ती प्रयोगशालाओं से भी लगभग 20 युवा वैज्ञानिक शामिल हुए। इस पोस्टर सत्र में युवा एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों के बीच विस्तृत विचार-विमर्श करने के लिए एक प्रेरणाप्रद वैज्ञानिक परिवेश का सृजन हुआ। इस कार्यक्रम में प्रतिभागी युवा वैज्ञानिकों को अपने अनुसंधान कार्यों के संबंध में परस्पर विचार-विमर्श करने और वरिष्ठ वैज्ञानिकों से उनकी अभियुक्ति प्राप्त करने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किए गए पोस्टरों की जजों के एक पैनल द्वारा जांच की गई और उनमें से सर्वोत्तम ज्ञात हुए पांच पोस्टरों का पुरस्कार के लिए चयन किया गया।

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) उज्ज्वल उत्तराखंड 2021 पुरस्कार विजेता बना

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) ने 19-21 फरवरी 2021 के दौरान रुद्रपुर, उत्तराखंड में आयोजित किए गए 'उज्ज्वल उत्तराखंड 2021' प्रदर्शनी में डी आर डी ओ के पैविलियन में अपने अनुसंधान तथा विकास उत्पादों को प्रदर्शित किया। इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख सरकारी संस्थानों में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन डी डी बी), राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई ई एल आई टी), नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (एन एच पी सी), खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के वी आई सी) के नाम उल्लेखनीय हैं। रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) ने इस प्रदर्शनी में जैव ऊर्जा के क्षेत्र में विकसित की गई प्रमुख प्रौद्योगिकियों एवं

उत्पादों, उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों को संवर्धन प्रदान करने वाली विभिन्न विधियों एवं प्रक्रियाओं तथा हर्बल औषधियों को प्रदर्शित किया। रुद्रपुर से विधायक श्री राजकुमार दुकराल

ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। आपने उत्तराखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों में वृद्धि करने के लिए रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा विकसित की गई प्रौद्योगिकियों में



प्रदर्शनी में डॉ. अतुल गोवर वैज्ञानिक 'ई', डिबेर (बाई ओर से दूसरे) के साथ चर्चा करते हुए रुद्रपुर से विधायक श्री आर राजकुमार दुकराल (बाई ओर से तीसरे)

गहरी रुचि प्रदर्शित की। डी आर डी ओ के पैविलियन में इस प्रदर्शनी को देखने आए अन्य विशिष्ट व्यक्तियों ने भी रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी की सराहना की जिनमें श्री बलदेव सिंह औलाख, माननीय जल शक्ति मंत्री, उत्तर प्रदेश और श्रीमती रेखा आर्य, माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, उत्तराखण्ड के नाम उल्लेखनीय हैं। सोमेश्वर, अल्मोड़ा से विधायक श्रीमती

रेखा आर्य ने ऊर्जा उत्पादन के लिए चीड़ की नुकीली पत्तियों को उपयोगी रूप में प्रयोग में लाने में डी आर डी ओ के रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा किए गए अनुसंधान एवं विकास प्रयासों की सराहना की क्योंकि अन्यथा चीड़ की नुकीली पत्तियां स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। आपने डी आर डी ओ द्वारा बायो डीजल के उत्पादन के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान

एवं विकास के मामले में प्राप्त की गई उपलब्धियों की भी सराहना की। डी आर डी ओ के पैविलियन को इस प्रदर्शनी का सर्वोत्तम स्टॉल घोषित किया गया जिसने तीन दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान अधिकतम संख्या में दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। श्री टुकराल ने डी आर डी ओ की सभी तीनों प्रयोगशालाओं को प्रदर्शनी के सर्वोत्तम स्टॉल का शील्ड प्रदान किया।

एचआरडी क्रियाकलाप

16वां अखिल भारतीय संयुक्त हिंदी सेमिनार

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम ने 19-20 मार्च 2021 के दौरान 16वें अखिल भारतीय संयुक्त हिंदी सेमिनार की मेजबानी की। इस सेमिनार का प्रतिपाद्य विषय 'आत्मनिर्भर भारत के क्षेत्र में डी आर डी ओ का योगदान' था। इस सेमिनार को हैदराबाद स्थित डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं अर्थात नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल), रक्षा इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एल आर एल), उच्च ऊर्जा प्रणाली तथा विज्ञान केंद्र (सी एच ई एस एस) और डिजिटल सिगनल प्रोसेसिंग (डी एस पी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। डॉ. डी के श्रीनिवास, आई आर एस, प्रधान सीमा शुल्क आयुक्त इस समारोह के मुख्य अतिथि थे तथा डॉ. समीर वी कामत, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (नौसेना प्रणाली तथा सामग्री) इस समारोह के विशिष्ट अतिथि और डॉ. रविंद्र सिंह,

निदेशक, राजभाषा तथा कार्यालय एवं पद्धति निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय इस अवसर पर सर्वाधिक सम्मानित अतिथि के रूप में समारोह में (वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से) शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में शामिल हुए अन्य विशिष्ट व्यक्तियों में डॉ. ओ आर नंदगोपन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन एस टी एल, डॉ. मनु कोरुला, वैज्ञानिक 'जी' तथा अध्यक्ष, आयोजन समिति और श्री विवेक शर्मा, वैज्ञानिक 'ई', समन्वयक, आयोजन समिति के नाम उल्लेखनीय हैं। डॉ. श्रीनिवास ने अपने व्याख्यान में इस बात का विशेष तौर पर उल्लेख किया कि भारत एक शांतिप्रिय

देश है किंतु इसके साथ ही हमारा उत्तरदायित्व है कि हम यह सिद्ध भी करें कि हमारा देश वीरों का देश है और हम एक आत्मनिर्भर देश के नागरिक हैं। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने हिंदी के उत्पत्ति विज्ञान के संबंध में विस्तार से बताया तथा यह भी बताया कि किस प्रकार हिंदी भाषा में समय-समय पर आमूल बदलाव होता रहता है। आपने विस्तार से यह बताया कि किस प्रकार डी आर डी ओ में सभी प्रशासनिक तथा तकनीकी पत्र-व्यवहार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया जाता रहता है। इस अवसर पर डॉ. समीर



वी कामत ने कहा कि इस कार्यक्रम को आयोजित करने का उद्देश्य अत्यधिक प्रासंगिक है। आपने कार्यनीतिक और वित्तीय दोनों क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के महत्व पर बल दिया। आपने यह इच्छा व्यक्त की कि हमारा देश भारत उपकरणों एवं प्रौद्योगिकियों का आयातक देश बनने के बजाय इनका निर्यातक बने। डॉ. नंदगोपन ने अपने भाषण में सभी

वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों से यह अनुरोध किया कि वे अपने शोध पत्र अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में प्रस्तुत करें। इसके साथ ही आपने इस सेमिनार में उपस्थित सभी जनों से भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत प्रयत्नशील रहने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई) और नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस

टी एल) की हिंदी गृह पत्रिका और सेमिनार की कार्यवाही का भी विमोचन किया गया। नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल) से सेवानिवृत्त हिंदी अधिकारी श्रीमती डी शैलजा को एन एस टी एल में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में किए गए कार्यों के लिए इस सेमिनार में सम्मानित करते हुए उनका अभिनंदन किया गया।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) जे सी एम-III लेवल (डी आर डी ओ) परिषद बैठक का आयोजन

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) जे सी एम-III लेवल (डी आर डी ओ) परिषद की प्रारंभिक और मुख्य बैठक रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर में 12 और 13 मार्च 2020 को क्रमशः के एस वाराप्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एच आर) तथा डॉ. जी सतीश रेड्डी, सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं अध्यक्ष, डी आर डी ओ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में कर्मचारियों की ओर से 13 प्रतिनिधियों तथा सरकारी पक्ष से 17 सदस्यों ने भाग लिया। इन दोनों ही बैठकों में सुश्री नबनीता राधाकृष्णन, महानिदेशक (आर एंड एम), श्री सुबिर मलिक, अपर सचिव तथा अपर वित्तीय सलाहकार (अनुसंधान तथा विकास), श्री वी सी झा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा डी एम एस, श्री जी एस गुप्ता, निदेशक, कार्मिक निदेशालय (डी ओ पी), डॉ. आलोक जैन, निदेशक, कार्मिक प्रतिभा तथा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम), श्री आलोक मल्ल, डी एच



आर डी ने भी भाग लिया। इस अवसर पर रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला के निदेशक डॉ. एस के द्विवेदी ने तेजपुर में इस महत्वपूर्ण बैठक को आयोजित कराने के लिए निदेशक, कार्मिक निदेशालय (डी ओ पी), महानिदेशक (मानव संसाधन) और रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। श्री हिमांशु द्विवेदी, उप निदेशक

(कार्मिक) तथा रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) से डॉ. बी जे गोगोई, वैज्ञानिक 'ई' ने क्रमशः डी आर डी ओ मुख्यालय और रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) से इस बैठक का समन्वयन किया।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) में आयोजित की गई जे सी एम-III लेवल की बैठक की एक झलक

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) ने तवांग में किसानों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

तवांग, अरुणाचल प्रदेश स्थित रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) अनुसंधान तथा विकास केंद्र (डी आर

डी ओ) ने 14 मार्च 2021 को तवांग के अपने परिसर में किसानों के लिए 'अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अधिक मूल्य देने वाली

फसलों और मशरूम का उत्पादन' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तवांग

क्षेत्र के निकटवर्ती गांवों में रहने वाले 50 से भी अधिक किसानों ने भाग लिया तथा रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर से इस विषय के विशेषज्ञों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने व्याख्यान दिए। डॉ. बी जे गोगोई, वैज्ञानिक 'ई' ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को डी आर डी ओ के इस तवांग केंद्र में संगठन द्वारा किए गए समग्र अनुसंधान एवं विकास कार्यों के संबंध में संक्षेप में बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए कृषि विभाग, तवांग से कीटविज्ञानी श्री के बी कायस्थ ने तवांग क्षेत्र में उगाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की फसलों के कीट-नाशिजीवी प्रबंधन (इन्सेक्ट-पेस्ट मैनेजमेंट) विषय पर एक अत्यधिक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) के श्री ए नागलोट, वैज्ञानिक 'ई' तथा श्री अंकित, वैज्ञानिक



'बी' ने क्रमशः 'तवांग में अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मशरूम का उत्पादन' तथा 'अधिक मूल्य देने वाली फसलों की संरक्षित कृषि' विषय पर व्याख्यान दिए। श्री नवांग चोटा, जिला सूचना तथा जनसंपर्क अधिकारी (डी आई पी आर ओ), तवांग ने भी इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित किया तथा किसानों को ऑर्गेनिक खेती करने के लिए

प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर खिनमे गांव के किसान गावनबुरा ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) के निदेशक डॉ. एस के द्विवेदी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। बाद में किसानों को पौधा घरों (ग्रीनहाउस) और मशरूम हटों में उगाई गई सब्जियों तथा मशरूम की खेती दिखाई गई।

धातु निष्कर्षण और पुनश्चक्रण प्रौद्योगिकी विषय पर सतत शिक्षा पाठ्यक्रम (सी ई पी) का आयोजन

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) में 15-17 मार्च 2021 के दौरान 'धातु निष्कर्षण और पुनश्चक्रण

प्रौद्योगिकी' विषय पर एक सतत शिक्षा पाठ्यक्रम (सी ई पी) का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन

और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया गया जिसमें इस क्षेत्र से संबद्ध प्रख्यात विद्वानों और विषय के विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान दिए गए तथा रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) के वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में वास्तविक भागीदारी की। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. सी एच आर वी नागेश, वैज्ञानिक 'जी' ने पाठ्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खनिज संसाधनों में निरंतर हो रही कमी तथा अल्प मात्रा में उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप प्रबंधन तालमेल स्थापित करने की आवश्यकता में निरंतर



हो रही वृद्धि और साथ ही पर्यावरण से संबंधित प्रतिबंधों को भी ध्यान में रखते हुए 'धातु निष्कर्षण और पुनश्चक्रण प्रौद्योगिकी' के क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक क्रियाकलापों पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक निगाह रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. डी वी वी सत्यनारायण, वैज्ञानिक 'जी' तथा मानव संसाधन विकास (एच आर डी) समन्वयक ने अपने व्याख्यान में कहा कि इस पाठ्यक्रम का प्रतिपाद्य विषय अत्यधिक प्रासंगिक है और 'धातु निष्कर्षण और पुनश्चक्रण प्रक्रमण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के संबंध में अनुसंधानकर्ताओं के ज्ञान आधार को अद्यतन बनाने में यह पाठ्यक्रम सहायक सिद्ध होगा। डॉ. डी के दास, उत्कृष्ट

वैज्ञानिक और सह निदेशक ने अपने व्याख्यान में निष्कर्षण धातुकर्म और धातुओं की कतरन से संबंधित प्रक्रम को प्रयोग में लाने के महत्व पर प्रकाश डाला। आपने इस महत्वपूर्ण विषय पर सतत शिक्षा पाठ्यक्रम (सी ई पी) को आयोजित करने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। पाठ्यक्रम के दौरान खनिज पदार्थों के शोधन द्वारा उनके मूल्यवर्धन (मिनरल बेनिफिसियेशन) के महत्व, धातु निष्कर्षण के मौलिक एवं अनुप्रयुक्त प्रौद्योगिकीय पहलुओं, टिटैनियम, मैग्नीशियम, कोबाल्ट, टंगस्टन एवं दुर्लभ मृदा धातुओं जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण धातुओं की कतरनों के पुनश्चक्रण से संबंधित प्रक्रम, भारी मिश्रधातुओं और

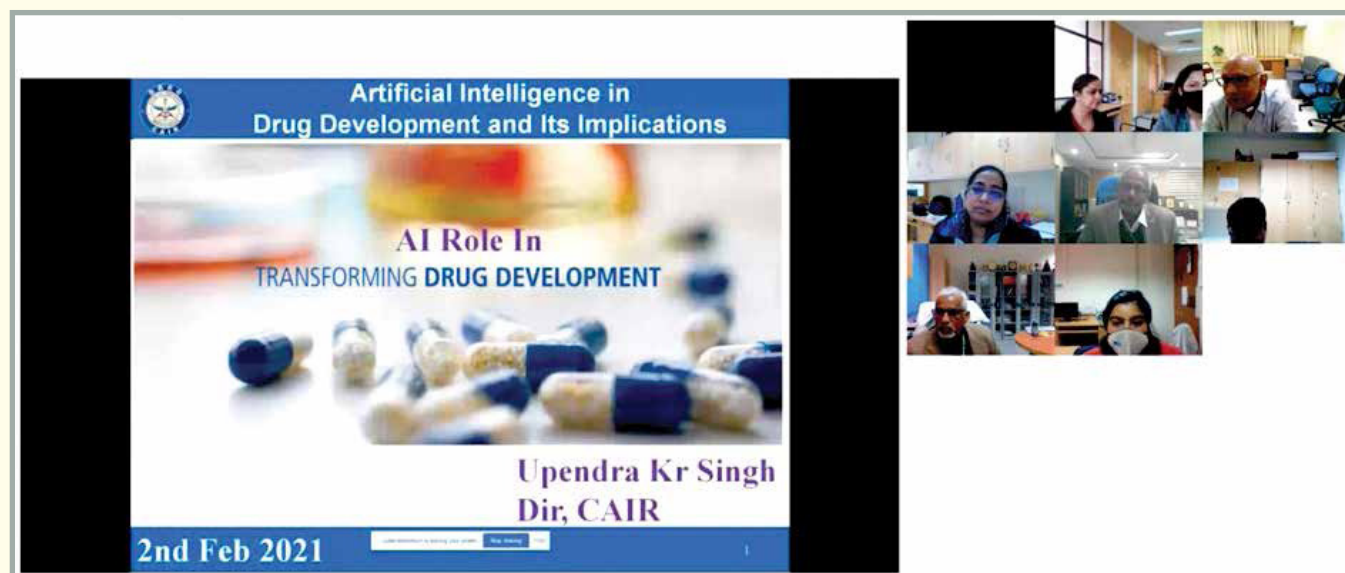
सुपर मिश्रधातुओं (सुपर एलॉय) की कतरनों के पुनश्चक्रण, ऊर्जा भंडारण तथा रक्षा क्षेत्र में अनुप्रयोगों के लिए विशिष्ट धातुओं एवं सामग्रियों के उत्पादन से संबंधित प्रक्रम को शामिल करते हुए विभिन्न अत्यधिक महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए गए। इस पाठ्यक्रम के आयोजन, समन्वय एवं संचालन में रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) तथा रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई) से लगभग 20 वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भाग लिया।

औषधि विकास के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा इसके अंतर्निहित प्रभाव विषय पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम का आयोजन

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) में 2-4 फरवरी 2021 के दौरान "औषधि विकास के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा इसके अंतर्निहित प्रभाव" विषय पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम के

आयोजन में डॉ. शुभा चतुर्वेदी, वैज्ञानिक 'ई' और डॉ. पूजा पी हजारी, वैज्ञानिक 'एफ' की अत्यधिक विशिष्ट भूमिका थी। निदेशक, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर) और निदेशक इनमास (अतिरिक्त प्रभार) डॉ. के रामाचंद्रन,

उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में अपना उद्घाटन भाषण दिया। इस पाठ्यक्रम में डॉ. उपेंद्र कुमार सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर) ने अपना मुख्य व्याख्यान दिया जिसमें आपने





आयुर्विज्ञान सहित अन्य विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) की भूमिका को समग्र रूप में समाहित किया। इस पाठ्यक्रम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे डी आर डी ओ के अनुसंधानकर्ताओं एवं विशेषज्ञों के लिए एक पारस्परिक विचार-विमर्श एवं सूचना के आदान-प्रदान हेतु एक अत्यधिक महत्वपूर्ण मंच प्राप्त हुआ। इस पाठ्यक्रम के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित अवधारणा के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराने के लिए व्याख्यान तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण श्रृंखलाएं आयोजित की गईं तथा औषधि विकास के ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) के अत्यधिक स्पष्ट प्रभाव ज्ञात होते हैं, जैसे कि – जैव सूचना विज्ञान तथा जैव विज्ञान से संबंधित सांख्यिकी, गणितीय प्रतिरूपण,

संगणनात्मक विश्लेषण तथा औषधि की खोज (ड्रग डिस्कवरी) जैसे विभिन्न क्षेत्रों के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई। इस व्याख्यान के लिए विभिन्न अनुसंधान तथा विकास संस्थानों जैसे कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे एन यू)-दिल्ली, अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च (ए सी बी आर)-दिल्ली, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर)-इंस्टीट्यूट आफ जेनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आई जी आई बी)-दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय और नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) से विशेषज्ञ विद्वानों एवं संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से कोविड-19 के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) से संबंधित दृष्टिकोण को

प्रयोग में लाए जाने के बारे में उद्योग जगत के सुझावों और उनके अनुभव को भी शामिल किया गया था। पाठ्यक्रम का समापन व्याख्यान डॉ. अनिल के मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी', इनमास द्वारा दिया गया जिन्होंने अपने व्याख्यान में भावी अनुसंधान के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर विशेष रूप से बल दिया। इस पाठ्यक्रम में नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) के छात्रों सहित लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आशा है कि यह पाठ्यक्रम ऐसे अनुसंधानकर्ताओं के लिए अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होगा जो अपने अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित घटक एवं उपकरणों को शामिल करना चाहते हैं।

भारत-अमेरिकी संयुक्त तकनीकी समूह (जे टी जी) द्वारा मानव-मशीन के बीच टीम निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया

भारत-अमेरिकी रक्षा वैज्ञानिक सहयोग संगठन इन दोनों राष्ट्रों के पारस्परिक सुरक्षा हितों को और अधिक संवर्धन प्रदान करने के लिए दोनों राष्ट्रों के बीच अत्यधिक महत्वपूर्ण भागीदारी के प्रमुख स्तंभ के रूप में उभर रहा है। इस कार्य के एक हिस्से के रूप में अमेरिकी रक्षा विभाग तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ) की पारस्परिक भागीदारी से भारत-अमेरिकी संयुक्त तकनीकी समूह (जे टी जी) द्वारा मानव-मशीन के बीच टीम निर्माण विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली द्वारा 2 से 11 मार्च 2021 के दौरान आभासी (वर्चुअल) रूप में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. ए के सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक

तथा महानिदेशक, जीव विज्ञान, डी आर डी ओ द्वारा किया गया जिसके पश्चात डॉ. के रामचंद्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, इनमास, दिल्ली ने अपना व्याख्यान दिया जिसमें आपने इस कार्यशाला को आयोजित करने के उद्देश्य पर अपने विचार प्रकट किए। डॉ. सुशील चंद्रा, वैज्ञानिक 'जी' इनमास तथा डॉ. पैट्रिक मैसन, प्रमुख, वारफाइटर परफॉर्मेंस डिपार्टमेंट, ओ एन आर ने पहले सत्र से संबंधित कार्यवाही का आरंभ किया। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से मानव मशीन के बीच टीम निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इस कार्यशाला को आयोजित करने का उद्देश्य इस क्षेत्र में किए गए मौजूदा अनुसंधान क्रियाकलापों को परस्पर साझा करना तथा न्यूरो कॉग्निटिव एसेसमेंट (स्नायु संज्ञानात्मक

मूल्यांकन), मानव-मशीन टीमों में विश्वास एवं विश्वसनीयता का मापन, मानव मशीन समूह निर्माण (एच एम टी) से संबंधित कार्यों के संबंध में प्रशिक्षण और अनुकार के लिए आभासी वास्तविकता (वी आर) और संवर्धित वास्तविकता (ए आर) का प्रयोग, परिस्थिति परक जागरूकता सृजित करने के लिए बुद्धिमत्ता पूर्ण कार्य करने वाली स्वचालित प्रणाली से संबंधित क्षेत्रों में मौजूदा अनुसंधान क्रियाकलापों को साझा करना तथा भविष्य में सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करना था। इस कार्यशाला के दौरान ऐसे पारस्परिक हित से संबंधित महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की गई जो आगे चलकर विज्ञान के क्षेत्र में अत्यधिक लाभदायक सहयोगात्मक संबंध के रूप में परिवर्तित होंगे और दोनों राष्ट्रों के सामर्थ्य संवर्धन को समन्वित करने में सहायक



सिद्ध होंगे। इस कार्यशाला में दोनों पक्षों से 150 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान दोनों पक्षों से व्याख्याता विद्वानों ने महत्वपूर्ण एवं परंपरागत क्षेत्रों में युद्ध चुनौतियों के लिए

मौजूदा तथा भावी तैयारियों को संवर्धन प्रदान करने से संबंधित अपने ज्ञान तथा विशेषज्ञता को साझा किया। यह कार्यशाला भारत एवं अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने में अत्यधिक

महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुई। इस कार्यशाला को आयोजित किए जाने से मानव-मशीन टीम निर्माण के क्षेत्र में भविष्य में विज्ञान के क्षेत्र में किए जाने वाले सहयोगात्मक क्रियाकलापों को संवर्धन प्राप्त होगा।

नैनो सामग्रियों के क्षेत्र में अनुसंधान क्रियाकलापों से संबंधित नए निर्धारक तत्व (सीमांत क्षेत्र) विषय पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम का आयोजन

नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में 9-12 मार्च 2021 के दौरान 'नैनो सामग्रियों के क्षेत्र में अनुसंधान क्रियाकलापों से संबंधित नए निर्धारक तत्व (सीमांत क्षेत्र)' विषय पर एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) के अतिरिक्त डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से रक्षा अनुसंधान तथा

विकास सेवा संवर्ग (डी आर टी एस) के 25 अधिकारियों तथा नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) से रक्षा अनुसंधान तथा विकास सेवा संवर्ग (डी आर टी एस) के 15 अधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. के रामाचंद्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, इनमास ने इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रासायनिक, जैविक, वैकिकरणकी तथा नाभिकीय (सी बी आर एन) रक्षा प्रकोष्ठ

के प्रमुख श्री विनोद कुमार ने प्रतिभागियों को इस पाठ्यक्रम की उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. हिमांशु ओझा वैज्ञानिक 'ई', पाठ्यक्रम समन्वयक ने इस अवसर पर उपस्थित सभी विशिष्ट जनों, संकाय सदस्यों और प्रतिभागियों को इस पाठ्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में संक्षेप में बताया। इस पाठ्यक्रम में संगणनात्मक नैनो प्रौद्योगिकी, ग्रेफीन, ग्रेफीन सम्मिश्र पदार्थ, नैनो सामग्रियों का संश्लेषण, नैनो सम्मिश्र

पदार्थ, नैनो उपकरण, नैनो सामग्रियों का अभिलक्षण निर्धारण, नैनो रोबोटिकी, नैनो ट्यूब और नैनो सामग्रियों के कारण उत्पन्न होने वाली पर्यावरण विषाक्तता, आदि जैसे कुछ महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया था। भारतीय विज्ञान संस्थान, दिल्ली के रसायन विभाग से सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. अशोक के गांगुली ने इस अवसर पर 'नैनो संरचनाओं के अभिकल्प और इनके कुछ आश्चर्यजनक अनुप्रयोग' विषय पर अपना प्रमुख भाषण दिया। इस तीन दिवसीय पाठ्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा व्यवहारिक प्रयोग से संबंधित आधारभूत संकल्पनाओं को शामिल करते हुए 20 व्याख्यान दिए गए। इस

पाठ्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरतकल और श्रीनगर, राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। इनके अतिरिक्त, दो संकाय सदस्यों को रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद और टोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एस एस पी एल), दिल्ली से आमंत्रित किया गया था। इस दौरान अनेक पारस्परिक विचार-विमर्श सत्रों का आयोजन किया गया जिनके

दौरान नैनो सामग्रियों से संबंधित विषयों पर अत्यधिक गहन पारस्परिक विचार-विमर्श किए गए जिनसे अनेक नवोन्मेषी संकल्पनाएं विकसित हुईं। पाठ्यक्रम के समापन सत्र में डॉ. रामचंद्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, इनमास, डॉ. ए के मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' और श्री विनोद कुमार, अपर निदेशक, इनमास ने भाग लिया। निदेशक, इनमास ने सभी प्रयोगशाला निदेशकों को प्रतिभागियों को इस पाठ्यक्रम में भाग लेने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया तथा इस सतत शिक्षा पाठ्यक्रम (सी ई पी) के निर्बाध संचालन के लिए आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

अवसंरचना विकास

उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (एटीसी), देवतलागुट्टा में चिकित्सीय निरीक्षण कक्ष (एमआई रूम) का उद्घाटन

डॉ. जी मधुसुधन रेड्डी, वैज्ञानिक 'एच' तथा निदेशक, डी एम आर एल ने रक्षा सुरक्षा कोर के कार्मिकों तथा रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल) के कर्मचारियों को चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 8 मार्च 2021 को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (एटीसी), देवतलागुट्टा में एक नए चिकित्सीय निरीक्षण कक्ष (एम आई रूम) का उद्घाटन किया। लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. पी वी राममोहन, चिकित्सा अधिकारी, डी एम आर एल प्रत्येक बुधवार और बृहस्पतिवार को इस एम आई रूम के लिए अपनी सेवाएं समर्पित करते हैं। यह चिकित्सीय निरीक्षण कक्ष (एम आई रूम) रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद से लगभग 10 किलोमीटर दूर अवस्थित उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (ए टी सी), देवतलागुट्टा के कर्मचारियों के लिए एक



वरदान सिद्ध हुआ है। इससे पहले उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (ए टी सी), देवतलागुट्टा के कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी किसी

भी प्रकार की छोटी से छोटी समस्या के लिए भी देवतलागुट्टा से कंचन बाग जाना पड़ता था।

दौरा कार्यक्रम

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर

रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी ने डॉ. ए के सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (जैव विज्ञान) के साथ 13 मार्च 2021 को रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर डॉ. रेड्डी ने रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल), तेजपुर के द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों और प्रयोगशाला में चालू अनुसंधान तथा विकास क्रियाकलापों की समीक्षा की तथा केंद्रित अनुसंधान एवं विकास तथा भविष्य में रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) को संवर्धन प्रदान करने के लिए किए जाने वाले उपायों के संबंध में अपेक्षित निर्देश जारी किए। इस अवसर पर सशस्त्र सेनाओं एवं अर्धसैनिक बलों द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) द्वारा विभिन्न उत्पादों को विकसित किए जाने तथा उन्हें इन बलों द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए प्रस्तुत किए जाने और इन बलों द्वारा उन उत्पादों को स्वीकार किए जाने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार पूर्वक विचार-विमर्श किया गया। डॉ. रेड्डी ने राज्य सरकारों तथा सैन्य प्राधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया जिसका उद्देश्य भविष्य में विभिन्न स्टेकहोल्डरों के साथ सफल पारस्परिक संपर्क विकसित करने की संभावनाओं की तलाश करना था। रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डी आर डी ओ) के अध्यक्ष ने राज्य के इस सुदूर हिस्से में पी सी आर आधारित नमूना परीक्षण और बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान को आयोजित करके कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतियों को कम करने में रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला



रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी आर एल) के कर्मचारियों के साथ रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डी आर डी ओ के अध्यक्ष डॉ. सतीश रेड्डी : समीक्षा बैठक की एक झलक

(डी आर एल) द्वारा किए गए योगदान की सराहना की। रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डी आर डी ओ) के अध्यक्ष ने खुले मंच से रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित किया तथा तथा पूर्वोत्तर में स्थापित की गई डी आर डी ओ की इस एकमात्र प्रयोगशाला को सभी अपेक्षित संसाधन उपलब्ध कराकर इसे सुदृढ़ बनाने का आश्वासन दिया।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

मेजर जनरल संजय रिहानी, महानिदेशक, संग्राम अभियांत्रिकी, दिल्ली ने 26 फरवरी 2021 को उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे का दौरा किया। इस निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान आपके समक्ष उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा विस्फोटक संसूचन किट और ओ पी एक्स रेविलैटर जैसे विस्फोटक

संसूचन उपकरणों का प्रस्तुतीकरण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला में पधारे विशिष्ट अतिथि के समक्ष उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) के क्रियाकलापों तथा एन एफ एम कार्यक्रमों के संबंध में भी प्रस्तुतीकरण दिया गया। मेजर जनरल रिहानी ने एच एम आर एल द्वारा किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान तथा विकासात्मक क्रियाकलापों में अपनी गहरी रुचि प्रदर्शित की।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

श्री शिवराज धुप्पे, उप सचिव एवं डी एफ ए (अनुसंधान तथा विकास) ने 3 मार्च 2021 को उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे का निरीक्षण दौरा किया। इस निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान श्री धुप्पे को एच ई एम आर एल के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने इस प्रयोगशाला द्वारा

किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान क्रियाकलापों के संबंध में संक्षेप में अवगत कराया। इस अवसर पर प्रयोगशाला के निरीक्षण पर आए श्री धुप्पे ने उच्च ऊर्जा पदार्थों से संबंधित विभिन्न प्रक्रमण सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान प्रयोगशाला में एक 40 किलोग्राम के प्रक्षेप मूल्यांकन मोटर (बैलिस्टिक इवेलुएशन मोटर) का स्थैतिक परीक्षण भी किया गया जिसके आप साक्षी बने। आपने एच ई एम आर एल के प्रदर्शनी कक्ष का भी निरीक्षण किया। आपने उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) द्वारा किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान एवं विकासात्मक क्रियाकलापों में गहरी रुचि प्रदर्शित की।

रीयर एडमिरल संजय मिश्रा, वी एस एम, महानिदेशक, एन ए आई ने 01 मार्च 2021 को उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे का निरीक्षण दौरा किया। इस अवसर पर प्रयोगशाला के निरीक्षण पर आए अतिथि के समक्ष एच ई एम आर एल के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा नौसेना में प्रयोग में लाए जाने वाले विस्फोटकों तथा सिग्नल फ्लेयर्स को स्वदेश में विकसित करने के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिए गए। इस अवसर पर रीयर एडमिरल संजय मिश्रा ने प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों के साथ परस्पर बातचीत की तथा विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी

माननीय वस्त्र राज्य मंत्री तथा अल्मोड़ा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से सांसद श्री अजय टम्टा ने 23 फरवरी 2021 को रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) के पिथौरागढ़ स्थित फील्ड स्टेशन का निरीक्षण दौरा किया। इस अवसर पर आपको पिथौरागढ़ फील्ड स्टेशन में उपलब्ध अनुसंधान तथा विकास सुविधाओं



26 फरवरी 2021 को उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल) के निरीक्षण के दौरान ओ पी एक्स रेविलैटर में गहरी रुचि प्रदर्शित करते हुए मेजर जनरल संजय रिहानी, महानिदेशक, संग्राम अभियांत्रिकी, नई दिल्ली



उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला के निरीक्षण के दौरान श्री शिवराज धुप्पे, उप सचिव एवं डी एफ ए (अनुसंधान तथा विकास)

का एक निर्देशित निरीक्षण कराया गया तथा रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा विकसित की गई प्रमुख प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों के संबंध में संक्षेप में जानकारी दी गई। श्री टम्टा ने हिमालय

क्षेत्र में उगने वाले औषधीय गुणों से युक्त पेड़ पौधों, संरक्षित कृषि तकनीकों (मृदा रहित एवं हाइड्रोपोनिक्स दोनों) में अपनी गहरी रुचि प्रदर्शित की। इस अवसर पर आपको पिथौरागढ़, चमोली और उत्तरकाशी

सहित सीमावर्ती जिलों में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे समर्पित प्रयासों के बारे में भी संक्षेप में अवगत कराया गया। रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा किए जा रहे ऐसे सभी प्रयासों का समग्र उद्देश्य सीमावर्ती गांवों में रह रहे लोगों को अधिक हरे-भरे चारागाहों की खोज में विस्थापित होने से रोकना है। श्री टम्टा ने रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) के पिथौरागढ़ स्थित इस फील्ड स्टेशन में कार्य कर रही संपूर्ण टीम की प्रशंसा की और उन्हें बधाई दी तथा वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुनी करने के संबंध में माननीय प्रधानमंत्री के स्वप्न को साकार करने की दिशा में रक्षा जैव ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए उनकी सराहना की।



रीयर एडमिरल संजय मिश्रा, वी एस एम, महानिदेशक, एन ए आई के उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला के निरीक्षण के दौरान का एक क्षण

डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली द्वारा प्रकाशित